1 रचना के आधार पर वाक्य भेद

वाक्यों का वर्गीकरण

वाक्य वर्गीकरण के दो आधार होते हैं–

1. अर्थ के आधार पर
2. रचना के आधार पर

पाठ्यक्रम में रचना के आधार पर वाक्य भेद ही दिए गए हैं।

रचना के आधार पर वाक्य भेद–

1. **सरल या साधारण वाक्य–** जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय हो, उसे **सरल वाक्य** कहते हैं;

जैसे– (*i*) श्याम दुकान से पुस्तक लाया।

(*ii*) बच्चे दूध नहीं पीते हैं।

(*iii*) सूर्योदय होने पर अंधकार मिट गया।

(*iv*) उसने अपने को निर्दोष बताया।

(*v*) रीटा कल गाँव गई थी।

2. **संयुक्त वाक्य–** संयुक्त वाक्य उस वाक्य को कहते हैं, जिसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य अथवा मिश्र वाक्य एक-दूसरे पर आश्रित न होकर किसी योजक से जुड़े हों।

जैसे– (*i*) वर्षा हुई और धूल बैठ गई।

(*ii*) मैं आपसे मिलूँगा और बहुत सारी बातें करूँगा।

(*iii*) शोभना आई और चली गई।

(*iv*) अतिथि आए और कार्यक्रम आरंभ हुआ।

(*v*) सत्य बोलना चाहिए पर अप्रिय सत्य नहीं।

(*vi*) वे बीमार हैं अत: आने में असमर्थ हैं।

(*vii*) यहाँ आप बैठ सकते हैं या आपका बेटा बैठ सकता है।

(*viii*) मजदूरों ने गड्ढे खोदे और चले गए।

3. **मिश्र वाक्य–** जिस वाक्य में एक प्रधान वाक्य और एक या अनेक आश्रित उपवाक्य होते हैं, उसे **मिश्र वाक्य** कहते हैं;

जैसे– (*i*) मैंने सुना कि अजमेर में पशु मेला लगता है।

(*ii*) अध्यापक ने कहा कि छात्रो! पुस्तक निकालो।

(*iii*) जो परिश्रम करेगा, वह अवश्य सफल होगा।

(*iv*) जब-जब वर्षा होती है, मेंढक टर्राते हैं।

Scanned by TapScanner

मिश्र वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और एक से अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं। आश्रित उपवाक्य अपने पूरे अर्थ के लिए मुख्य उपवाक्य पर आश्रित रहते हैं। मिश्र वाक्य के उपवाक्य में- कि, जो, वह, जैसा-वैसा, जब-तब, यदि-तो, क्योंकि, आदि योजक होते हैं। जैसे-

मुख्य उपवाक्य	योजक	आश्रित उपवाक्य
माँ ने कहा	कि	तुम अब सो जाओ।
वे मेरे मित्र हैं	जो	लड़के मैदान में खेल रहे हैं।
खेतों में काम करता था।	जब	मैं छोटा था।

आश्रित उपवाक्य

आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं-

क. संज्ञा उपवाक्य

ख. विशेषण उपवाक्य

ग. क्रिया-विशेषण उपवाक्य

क. संज्ञा उपवाक्य- जो उपवाक्य वाक्य में संज्ञा का काम करते हैं, वे **संज्ञा उपवाक्य** कहलाते हैं। संज्ञा उपवाक्य से पूर्व प्राय: कि योजक का प्रयोग होता है, पर कभी-कभी कि योजक का लोप भी होता है,

जैसे- (*i*) अध्यापक ने कहा कि छात्रो! शांत हो जाओ।

(*ii*) भारत ने कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते।

(*iii*) तुम नहीं पढ़ोगे, मैं जानता था। (कि का लोप)

(*iv*) नौकर नहीं आएगा, मुझे पता था।

ख. विशेषण उपवाक्य- विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य में प्रयुक्त किसी संज्ञा की विशेषता बताता है। हिंदी में प्राय: विशेषण उपवाक्य जो, जिसे, जिसको आदि से आंरभ होते हैं,

जैसे- (*i*) वह सेवक कहाँ गया, जो कल आया था।

(*ii*) वह पुस्तक कहाँ है, जो कल खरीदी थी।

(*iii*) जो आदमी मकान बेचता है, वह डीलर कहलाता है।

(*iv*) जिसे आप ढूँढ़ रहे हैं, वह तो कल से गायब है।

(*v*) जो काम मुझे मिला था, वह पूरा हो गया।

(*vi*) जिसने पुस्तक चुराई है, वह खड़ा हो जाए।

(*vii*) उस आदमी को बुलाओ, जिसने पगड़ी पहन रखी है।

Scanned by TapScanner

ग. **क्रिया-विशेषण उपवाक्य**– यह उपवाक्य सामान्यतः मुख्य उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताता है। ये किसी काल, स्थान, रीति, परिमाण, कारण-कार्य आदि का संकेत करते हैं। इनमें- जब, जैसा, जहाँ, ज्यों-ज्यों, आदि योजक प्रयुक्त होते हैं.

जैसे- (i) जब वर्षा हो रही थी, मैं स्कूल में था। (कालवाचक)

(ii) जहाँ तुम रहते हो, वहाँ मैं भी रहता था। (स्थानवाचक)

(iii) जैसे आपने कहा, वैसा मैंने किया। (रीतिवाचक)

(iv) जब-जब धर्म की हानि हुई, भगवान ने अवतार लिया। (कारण-कार्य)

(v) उतना खाओ, जितना पचा सको। (परिमाणवाचक)

(vi) जितना तुम लिखना चाहो, उतना लिखो। (परिमाणवाचक)

क्रिया-विशेषण उपवाक्य के भेद

क. कालवाचक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) जब आप आए थे, मैं पढ़ रहा था।
(ii) जब मैं गाँव गया था, वे अलीगढ़ चले गए थे।
(iii) जब शीला आएगी, तब काम शुरू होगा।

ख. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) जहाँ मैं रहता हूँ, वह बहुत अच्छा अपार्टमेंट है।
(ii) यह वही मकान है, जहाँ आप पहले रहते थे।
(iii) जहाँ आप पढ़ते थे, वह बहुत अच्छा स्कूल था।

ग. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) जैसा मालिक चाहता है, वैसा ही काम करो।
(ii) जैसा लता जी गाती हैं, वैसा कोई नहीं गाता।
(iii) जैसा आप पढ़ाते हैं, वैसा कोई नहीं पढ़ाता।

घ. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) ज्यों-ज्यों तुम बड़े हो रहे हो, मूर्ख होते जा रहे हो।
(ii) जितना तुम खा सकते हो, उतना खा लो।
(iii) जितना तुम जानते हो, उतना काम करो।

ङ. कारणवाचक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) मैं नहीं आ सकूँगा, क्योंकि मैं बीमार हूँ।
(ii) वह नहीं आ पाएगा, क्योंकि आज उसकी शादी है।
(iii) वे आज नहीं पढ़ेंगे, क्योंकि वे थक गए हैं।

च. शर्तवाचक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) यदि चाहो तो लौट सकते हो।
(ii) यदि चाहो तो नौकरी छोड़ सकते हो।
(iii) अगर मेरी बात मानोगे तो सुखी रहोगे।

छ. प्रयोजनमूलक क्रिया-विशेषण उपवाक्य

(i) दरवाज़ा बंद कर दो ताकि मच्छर न आ सकें।
(ii) खिड़की बंद कर दो, ताकि बाहर की धूल न आ सके।
(iii) दूध को ढक दो, ताकि उसमें कुछ न पड़े।

Scanned by TapScanner